SNEH TEACHERS TRAINING COLLEGE, JAIPUR
"Foster Emotional Intelligence in Youth Through Education" (ICFEIYE-2024)
DATE: 15 April 2024
International Advance Journal of Engineering, Science and Management (IAJESM)
Multidisciplinary, Indexed, Double-Blind, Open Access, Peer-Reviewed, Refereed-International Journal, Impact factor (SJIF) = 7.938

नेतृत्व प्रभावशीलता में भावात्मक बुद्विमता की भूमिका

डॉ. अल्पना शर्मा, शोध निर्देशक, उच्च अध्ययन शिक्षा संस्थान मानित विश्वविद्यालय, गॉधी विद्या मन्दिर, सरदारशहर
अर्चना शर्मा, शोधार्थी, उच्च अध्ययन शिक्षा संस्थान मानित विश्वविद्यालय, गॉधी विद्या मन्दिर, सरदारशहर

सरांश

भावनात्मक बुद्विमता ऐसे नेताओं का निर्माण करती है जो जवाब देह, आत्म जागरूक, भरोसेमंद रिश्तों को महत्व देते है और बढ़ावा देते है, और सबसे सकारात्मक तरीकों से भावनाओं को समझते हैं और नियंत्रिक करते है बुद्वि लब्धि के कारण हो किसी कीी अपने जीवन में सफलतॉए एवं उपलब्धियॉ प्राप्त होती है लेकिन आंधुनिक शोधों से यह स्पष्ट हुआ है कि व्यक्ति को अपने जीवन में जो सफलाताएँ मिलती है उसका 20% ही बुद्वि लब्धि के कारण होता है और 80% सांवेगिक लब्धि के कारण होता है बुद्वि से संज्ञानात्मक योग्यता का बोध होता है।

नेतृत्व का मतलब सिर्फ एक टीम का मार्गदर्शन करना या रणनीतिक निर्णय लेना नहीं प्रभाव नेतृत्व स्वयं और दूसरों की गहरी समझ में निहित है जिसमें सांवेगिक बुद्वि या भावात्मक बुद्विमता महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। आज के गतिशील कारोबारी माहौल मे, उच्च भावनात्मक बुद्विमता वाले नेताओं के सफल होने की अधिक संभावना है उच्च स्तर की भावनात्मक बुद्विमत्ता वाले नेता अपनी टीमों के साथ जुड़ सकते है बदलती परिस्थितियों के अनुकूल ढल सकते है और ऐसे निर्णय ले सकते है जो तथ्यों और भावनाओं दोनो पर विचार करते है।

भावनात्मक रूप से बुद्विमान नेता एक खुली और समावेशी संस्कृती बनाते है एक कुशल नेता निर्णय लेते समय तथ्यों और भावनाओं दोनो पर विचार करते है उच्च ई आई नेता अपनी टीम के सदस्यों के साथ मजबूत संबंध बनाते है। भावात्मक बुद्वि एक श्रेष्ठ नेतृत्व के लिए अति आवश्यक है। नेतृत्व के संदर्भ में भावात्मक बुद्विमत्ता एक महत्वपूर्ण घटक है दबाव की स्थिति से निबटना यदि यह योग्यता हो तो निश्यय है मिलेगा। भावात्मक योग्यता है अपनी भावनाओ का सही उपयोग करते हुए सफल नेतृत्व करना।

तकनीकी शब्दावली– नेतृत्व, बुद्वि, भावनात्मकता प्रभावशीलता, भूमिका

प्रस्तावनाः–

भावनात्मक बुद्विमत्ता हमें नेतृत्व क्षमता में पारस्परिक संबंधो को विवेकपूर्ण और सहानुभूति पूर्वक संभालने में सक्षम बनाती है। भावनाओं का प्रभावी का धन –एक सदस्य को अन्य सदस्यों की भावनात्मक प्रतिक्रियाओ की कारवाई के विशेष पाठ्यक्रमो में बदलकर समूह की प्रभावित करने में संक्षम बनाता है भावनात्मक बुद्विमत्ता हमें नेताओं के रूप में पारस्परिक संबंधो को विवेकपूर्ण और सहानुभूतिपूर्वक संभालने में सक्षम बनाती है। कर्मचारियों के साथ भावनात्मक रूप से जुडने और भावनात्मक बुद्विमत्ता के साथ नेतृत्व करने की क्षमता नेत्त्व प्रभावशीलात के लिए आवश्यक है।

यह भावनात्क बुद्विमत्ता ही है जो हर प्रतिस्पधो में आपकी चुनौती आगे रखती है भावत्मक बुद्विमत्ता खुद की और दूसरो की भावनाओं का ध्यान रखने, उन्हे समझने और उनकी सच्ची प्रेरणाओं जरूरतों उदेश्यों और इच्छाओं की पहचानने की क्षमता है। भावात्मक बुद्विमत्ता नेतृत्व क्षमता के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

- **शोध का उद्देश्यः–**

1. प्रस्तुत शोध का उद्देश्य नेतृत्व के गुणों का विश्लेषण करना।
2. प्रस्तुत शोध का उद्देश्य नेतृत्व प्रभावशीलता मे भावात्मक बुद्विमता की उपयोगिता का अध्ययन करना।

- **नेतृत्व**

नेतृत्व एक प्रक्रिया है जिसमें कोई व्यक्ति सामाजिक प्रभाव के द्वारा अन्य लोगों की सहायक लेते हुए एक सर्वनिष्ट कॉमन कार्य सिद्व करता है शाब्दिक व्युत्पत्ति की दृष्टि से नेतृत्व अंग्रेजी के रूपॉतर लीडर शिप शब्द से लिया गया है जिसका अर्थ होता है ''वह जो नेतृत्व दे'' यह नेतृत्व किसी भी क्षेत्र तथा दिशा में हो सकता है।

1. ''नेतृत्व नवीन दिशा में परिवर्तन लाने का कारण है जबकि प्रशासन वस्तुस्थिति को बनाए रखने पर ही ध्यान देता है'' सभी अच्छो नेताओ में आत्मविश्वास का नेतृत्व गुण मोजूद होते है। वे कठोर निर्णय

International Advance Journal of Engineering, Science and Management (IAJESM)
Multidisciplinary, Indexed, Double-Blind, Open Access, Peer-Reviewed, Refereed-International Journal, Impact factor (SJIF) = 7.938

लेने और अधिकार के साथ नेतृत्व करने में सक्षम है। आश्रस्त होकर नेता दूसरों को आश्वालत करने और प्रेरित करने, खुला संचार स्थापित करने और टीम वर्क को प्रोत्साहित करने में सक्षम होते है''।

छुसरो के व्यवहार को प्रभावित करनाः नेतृत्व एक व्यक्ति को एक सामान्य उदेश्य या लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए संगठन में अन्य कर्मचारियों के व्यवहार की प्रभावित करने की क्षमता हो ताकि वे उसी की पूर्ति के लिए स्वेच्छा से एक दूसरे के साथ सहयोग कर सकें।

एक नेता वह व्यक्ति होता है जो साझ उदेश्यों या दृष्टिकोणो के लिए दूसरो का मार्गदर्शन करता है प्रेरित करता है और उन्हे प्रभावित करता है उनमें सत्यनिष्ठा, सहानुभूति लचीलापन और निर्णायकता जैसे गुण समाहित है। नेता न केवल दिशा निर्धारित करते है बल्कि सहयोग को बढावा देते है। व्यक्ति अपने कुछ वैयक्तिक गुणों के आधार पर ही नेता बनता अपितु नेता के वैयक्तिव गुणों का सम्बन्ध अनुयायिको के उदेश्यो, कार्यो आदि से भी होता परमावश्यक है।

नेतृत्व प्रभावशीलता

एक टीम का नेतृत्व करने के लिए आपको नेतृत्व प्रभावशीलता को समझने की आवश्यकता है और इसके लिए समझना सीखना आवश्यक है बाद में समझा जाना चाहिए यदि हम किसी स्थिति को बदलना चाहते खुद को बदलना होगा हमारी धारणाएं बदले बाद में हम परिवर्तन कर सकतें है।

2. ''नेतृत्व व्यक्तियों के पारस्परिक उदेश्यों के लिए स्वैच्छिक प्रयत्न करने हेतु प्रभावति करने की योग्यता है।'' जार्ज आर. टेरी के अनुसार

- प्रभावी नेतृत्व किसी टीम या लोगो के समूह को सफलतापूर्वक प्रभावित करने और समर्थन करने की क्षमता है। यह बताना महत्वपूर्ण है कि प्रभावी नेतृत्व में सिर्फ ऊपर से काम सौपंने के अलावा और अन्य लोगों के साथ प्रभावशाली ढंग से जुडने के लिए हमें है सीखना चाहिए। और इसके लिए नियंत्रण की आवश्यकता है सुनने के लिए चरित्र के लिए अत्यधिक विकसित गुणों की आवश्यकता है सुनने के चरित्र के लिए अत्यधिक विकसित गुणों की आवश्यकता होती है जैसे धैर्य, परिवर्तन और आलोचना के लिए खुलापन और समझ की इच्छा
- निम्न स्तर पर कार्य करना, निर्धारित करना और उच्च स्तर पर निर्देश देता महत्वपूर्ण और प्रभावशाली है,

भावनात्मक बुद्विमता

- भावनात्मक बुद्विमत्ता ई आई के आपकी अपनी भावनाओ को प्रबंधित करने और अपने आस–पास के लोगो का भावनाओं को समझने की क्षमता है इ आई के पॉच प्रमुख तत्व है आत्म जागरूकता, आत्म–नियम न. प्रेरणा, सहानुभूति और सामाजिक कौशल ।
- भावनात्मक बुद्विमत्ता में अपनी–भावनाओं को देखने, उपयोग करने, समझने, प्रंबधित करने और संभालने की क्षमता के रूप में है।

भावनात्मक बुद्विमत्ता को भावनाओ को देखने उपयोग करने, समझने प्रबंधित करने और संभालने की क्षमता के रूप में है।

पीटर सलोवी और जॉन मेयर – भावनात्मक बुद्विमत्ता को

''अपनी और अन्य लोगों की भावनाओं पर नजर रखने, विभिन भावनाओं के बीच भेदभाव करने और उन्हें उचित रूप से लेवन करने और सोच और व्यवहार को निर्देशित करने के लिए भावनात्मक जानकारी का उपयोग करने की क्षमता''

संवेगिक बुद्वि के घटक

1. **संवेग महसूस करना**– यह स्वयं में और अन्य लोगो में संवेगो पर गौर करने और पहचानने की भूलभूत क्षमता है उच्च सांवेगिक बुद्वि वाले व्यक्ति जब कोई विशेष संवेग का अनुभव करते है तो वे उसे पहचानने में सक्षम होते है और इस भावना को विशिष्ट नाम देने के लिए अपने शब्द ज्ञान का उपयोग करने में सक्षम होते है।
2. **संवेगो को समझना** – यह घटक विविध संवेगों द्वारा प्रदान की जाने वाली विशिष्ट जानकारी की उपयोग करने और यह जानना कि इनसे उनका व्यवहार किस तरह प्रभावित हो सकता है, के लिए

International Advance Journal of Engineering, Science and Management (IAJESM)
Multidisciplinary, Indexed, Double-Blind, Open Access, Peer-Reviewed, Refereed-International Journal, Impact factor (SJIF) = 7.938

संदर्भित है। जैसे कि पहले चर्चा की जा चुकी है प्रत्येक संवेग व्यक्तियों को उनके परिवेष के बारे में अलग–अलग विवरण संप्रषित करता है और एक विशेष दिशा में कारवाई के लिए सक्रिय करता है।

3. **संवेगो को प्रंबधित करना**– जब कोई व्यक्ति अपने संवेगो को जल्दी पहचान लेता है और उनके निहतार्थ समझ लेता है तब अपने साथ साथ दूसरो का भी अनुभव होता है। अपनी अनुभूती का प्रयोग करते हुए अपने संवेगो को प्रंबधित करता है।
4. **संवेगो का उपयोग करना**– किसी व्यक्ति की की संवेगों का उपयोग करने की क्षमता संवेगों को समझना तथा प्रंबधित करने से ज्यादा होती है इसमें हमारा चिंतन निर्णय प्रक्रिया और संबंधो को बहतर बनाने के लिए संवेगो का लाभ उठाने का कौशल शामिल है।

- उच्च भावनात्मक बुद्विमत्ता वाले लोग व्यवहार को निर्देशित करने के लिए भावनाओं को पहचान सकते है सोच और व्यवहार को निदेर्शित करने के लिए भावनाओं के बीच अंतर कर सकते है और उन्हें उचित रूप से लेवल कर सकते है। और वातावरण के अनुकूल भावनाओं को समायोजित कर सकते है।
- भावनात्मक बुद्विमता शब्द पहली बार 1964 में सामने आया था इसे 1995 में डेनियल गोलमैन की सबसे अधिक बिकने वाली पुस्तक'' इमोशनल इंटेलिजेंस में लोकप्रियता मिली।

1. टरमन के अनुसार

''भावात्मक विचारों के अनुरूप चिन्तन क्रिया ही व्यक्ति की भावात्मक बुद्वि कहलाती है''

मेयर एवं सैलोवे– ''सांवेगिक बुद्वि संवेगो की प्रत्यक्षण करने की क्षमता ,संवेग के प्रति पहुॅच बनाने एवं उससे उत्पन्न करने की क्षमता का विकास करती है।''

- भावना/मनोभाव यह एक प्रकार से अनुभूति होती है जो लम्बन्धों के बारे में सूचनाएॅ संचारित करती है जैसे आनंद एव भय एक प्रकार की अनुभूति है, जो हमें किसी व्यक्ति के प्रति–घटना के प्रति वस्तु के प्रति हो सकती है।
- अरस्तू ने भावनाओं को अच्छे जीवने के लिए केंद्रीय और आवश्यक माना है।
- भावना चेतना का वह पक्ष है जिसमें व्यक्ति हर्ष, विवाद डर घृणा आदि महसूस करता है।

नेतृत्व प्रभावशीलता में भावात्मक बुद्विमत्ता की भूमिका

- नेता की प्रभावशीलता इस बात पर निर्भर करती है कि नेता स्वयं की कितनी अच्छी तरह समझते है उनकी जागरूकता है कि दूसरे उन्हें कैसे देखते है और वे परिणामी इंटरैक्शन को कैसे नेविगेट करते है इसलिए जानबूझकर अपनी आत्म –जागरूकता बढाने से आप को अपनी भावनात्मक बुद्विमत्ता और नेतृत्व प्रभाव शीलता में सुधार करने में मदद मिलेगी।
- उच्च भावनात्मक बुद्विमत्ता वाले नेता अपनी टीम के सद्स्यों की चिंताओं और दृष्टिकोणों को सक्रिय रूप से सुनने और समझने इससे संगठन के भीतर बेहतर संचार होता है। गलत फहमियॉ और टकराव कम होते है।
- किसी भी कार्यस्थल में संघर्ष अपरिहार्य है हालॉकि ई आई वाले नेता अंतर्निर्हित भावनाओं को संबोधित करके और पारस्परिक रूप से लाभप्रद समाधान ढूंढकर संघर्षो को अधिक प्रभावी ढंग से प्रबंधित कर सकते है।
- जो नेता उत्साह और आशावाद प्रदर्शित करते है वे अपनी टीमों को प्रेरित करते है वे उद्देश्य और प्रतिबद्वता की भावना को प्रेरित करते है
- भावनात्मक बुद्विमत्ता वाले नेता नई चुनौतियों और अनिश्चितताओं को अधिक प्रभावी ढग से समायोजित कर सकते है।
- भावनात्म्क बुद्विमता एक जुट और उच्च प्रदर्शन करने वाली टीमों के निर्माण में सहायता करती है।
- उच्च भावनात्मक बुद्वि वाला एक नेता एक सकारात्मक कार्य वातावरण को बढावा देता है।
- कर्मचारियों के साथ भावनात्मक रूप से जुडने और भावनात्मक बुद्विमत्ता के साथ नेतृत्व करने की क्षमता नेतृत्व प्रभावशीलता के लिए आवश्यक है।

- जिन प्रबंधको ने ं नौकरी की संतुष्टि पर सबसे मजबूत प्रभाव डाला है उनमें उच्च स्तर की भावनात्मक बुद्विमत्ता और नेतृत्व प्रभावशीलता है।
- नेतृत्व में भावनात्मक बुद्विमत्ता महत्वपूर्ण भूमिका है क्योकि यह आत्म जागरूकता और जवाबदेही बढाती है।
- भावनात्मक बुद्वि नेताओ को अपनी भावनाओं को अधिक सकारात्मक तरीके से संसाधित करने में मदद करके भरोसेमंद रिश्ते बनाती है।
- भावनात्मक बुद्वि एक सफल नेता के लिए मार्गदर्शक और सफलता एक स्तर है।

निष्कर्ष– सबसे प्रभावी नेता एक महत्वपूर्ण तरीके से एक जैसे हौते है उन सभी के पास उच्च स्तर की वह चीज होती है जिसे भावत्मक बुद्विमत्ता के रूप में जाना जाता है एक सफल नेतृत्व कर्त्ता के गुणों मे भावत्मक बुद्वि का भी महत्वपूर्ण स्थान है प्रभावी नेतृत्व की खोज में जहॉ भावनात्मक बुद्विमत्ता एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। नेतृत्व के गुणों का विश्लेषण करते हुए नेतृत्व प्रभावशीलता में भावात्मक बुद्वि की भुमिका का महत्व है। उच्च भावनात्मक बुद्विमत्ता वाले लोग व्यवहार को निर्देशित करने के लिए भावनाओं को पहचान सकते है। एक टीम का अच्छे ढंग से नेतृत्व करते हुए उसे सफलता की और ले जा सकते है। एक अच्छा नेतृत्व कर्त्ता एक अच्छी सांवेगात्मक बुद्वि वाला व्यक्ति होता है वह अपनी भावनाओं के साथ–साथ अपनी टीम की भावनाओं से जुडा होता है इस लिए नेतृत्व प्रभावशीलता मे भावात्मक बुद्विमता का महत्वपूर्ण उपयोगिता है।

सन्दर्भ ग्रंथ सुची

1. प्रो.जे.पी. वर्मा – शैक्षिक प्रबन्धन प्रकाशन –राज0 हिन्दी ग्रंथ अकादमी जयपुर
2. प्रो.एल के. ओड – शैक्षिक प्रशासन राज0 हिन्दी ग्रन्थ अकादमी जयपूर
3. डॉ. आर. ए. शर्मा – शिक्षा प्रशासन एवं प्रबन्धन –प्रकाशन –विनय रखेजा c/o आर लाल बुक मेरट
4. डॉ सरोज सिंह मंजु गुप्ता – बाल्यावस्था और विकास –प्रकाशन,र ाज0 प्रकाशन त्रिपोलिया बाजार, जयपुर 6508
5. डॉ दलीप सिंह – कार्यस्थल पर भावनात्मक बुद्विमत्ता
6. डॉ आर.ए. शर्मा – अधिगम एवं विकास के मनो विज्ञानिक आधार प्रकाशक :–सूर्या पब्लिेशन मेरठ–250001
7. डॉ. एस.एस माथुर – शिक्षा मनोविज्ञान,प्रकाशक श्री विनोद पुस्तक मन्दिर– आगरा
8. डॉ कल्पना जैन सह लेखक – संज्ञानात्मक मनोविज्ञान : मौलिक प्रक्रियाएँ VMOU प्रकाशक राज0 राज्य सहकारी मुद्रणालय लि. जयपुर
9. डॉ पी.डी. शर्मा – बाल विकास –प्रकाशन श्री विनोद पुस्तक मन्दिर आगरा–2

- www.hi.in.wikipedia.org
- www.egyankosh.ac.in